संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

भाग अ परिचय –				
कार्यक्रम प्रमाण पत्र		कक्षा बी ए	प्रथम सेमेस्टर	सत्र 2022 2023
विषयः हिंदी साहित्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड	A1-HLIT1T		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिन्दी काव्य प्रश्न पत्र 1		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	कोर कोर्स (मेजर माईनर)		
4	पूर्वापेक्षा	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए विद्यार्थी में किसी भी विषय से कक्षा बारहवीं प्रमाण पत्र डिप्लोमा किया हो पात्र हैं।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां कोर्स लर्निंग आउटकम	1.इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी काव्य की सुधीर परंपरा से परिचित होंगे। 2.प्रसिद्ध रचनाओं के अध्ययन से देश की सामाजिक सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय पृष्ठभूमि से सुविज्ञ होंगे। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास होगा, उनकी जीवन दृष्टि का विस्तार होगा जिससे वह जीवन एवं जीवन मूल्यों को समझने में सक्षम होंगे। 4.रचनात्मक कौशल में दक्षता होगी जिससे उन्हें रोजगार की अनेक संभावनाएं मिलेगी।		
6	क्रेडिट मान	06		
7	कुल अंक	अधिकतम अंकः 25 75 न्यूनतम उत्तीर्ण		

भाग ब पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या 90 (प्रति सप्ताह घंटे में 02)		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
इकाई 1	भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत हिंदी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि 1 हिंदी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि 1.1 काल विभाजन एवं नामकरण 1.2 आदिकाल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	16

	1.3 आदिकालीन काव्य धाराएं एवं प्रवृत्तियां 1.4 आदिकालीन कवि II प्रमुख कवि 2.1 गोरखनाथ व्याख्या एवं समीक्षा गोरख बानी सबदी पद – 2,4,7,8,16 राग रामग्री पद – 10,11 2.2 चंद बरदाई व्याख्या एवं समीक्षा पृथ्वीराज रासो कनवज्जा समय कवित्त – 144,145,146 2.3 विद्यापति व्याख्या एवं समीक्षा पदावली – पद सं – 1,49,54,55,58	
इकाई 2	1 भक्ति काल एवं प्रमुख कवि 1.1 भक्ति आंदोलन सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि 1.2 काव्य धाराएं एवं प्रवृत्तियां 1.3 प्रमुख निर्गुण एवं सगुन कवि, भक्ति काल की प्रवृत्तियां 2 प्रमुख कवि - निर्गुण मार्गी 2.1 कबीर दास व्याख्या एवं समीक्षा साखी - गुरुदेव को अंग – 1,5,7,11,13 विरह को अंग – 4,10,12,20,23 पद – • दुल्हनी गावहु मंगलचार • पंडित बाद बदंते झूठा • लोका मति के भोरा रे • बोलौ भाई राम की दुहाई 2.1 मलिक मोहम्मद जायसी व्याख्या एवं समीक्षा मानसरोदक खंड - पद संख्या 1 से 3 3 प्रमुख कवि सगुणमार्गी 3.1 सूरदास व्याख्या एवं समीक्षा पद संख्या – 21,23,25,85 3.2 गोस्वामी तुलसीदास व्याख्या एवं समीक्षा अयोध्याकांड मागी नाव न केवट आना। कहइ तुम्हार मरमु मैं जाना॥	**18**

	से बिदा कीन्ह करूनायतन भगति बिमल बरू देइ। (102 दोहा तक)	
इकाई 3	1 रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि 1.1 रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि 1.2 रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद - रीति सिद्ध, रीतिबद्ध, रीतिमुक्त 1.3 रीतिकाल की प्रवृत्तियां 2 प्रमुख कवि 2.1 बिहारी व्याख्या एवं समीक्षा दोहा क्रमांक 1, 16, 18,20,21, 25, 27, 28, 37,46 2.2 भूषण (व्याख्या एवं समीक्षा) शिवा बावनी पद संख्या 4,25, 26 छत्रसाल दशक पद संख्या – 1,7	**16**
इकाई 4	1 आधुनिक काल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि 1.1 आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, पुनर्जागरण काल, हिंदी नवजागरण काल एवं प्रवृत्तियां 1.2 भारतेंदु युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियां 1.3 द्विवेदी युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियां 1.4 छायावाद युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियां 2 प्रमुख कवि 2.1 भारतेंदु हरिश्चंद्र (व्याख्या एवं समीक्षा) हिंदी भाषा - निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल (10 दोहे) 2.2 अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध (व्याख्या एवं समीक्षा) काव्य - एक बूंद मीठी बोली 2.3 जयशंकर प्रसाद (व्याख्या एवं समीक्षा) कामायनी के श्रद्धा सर्ग से - प्रकृति के यौवन का श्रृंगार करेंगे कभी ना बासी फूल से खिंची आवेगी सकल समृद्धि तक का अंश 2.4 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (व्याख्या एवं समीक्षा) जागो फिर एक बार : भाग 2, वह तोड़ती पत्थर 2.5 महादेवी वर्मा (व्याख्या एवं समीक्षा) मैं नीर भरी दुख की बदली बीन भी हूं मैं तुम्हारी, रागिनी भी हूं	**20**

इकाई 5	1 छायावादोत्तर काव्य धाराएं एवं प्रमुख कवि 1.1 उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियां 1.2 प्रगतिवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियां 1.3 प्रयोगवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियां 1.4 नई कविता, समकालीन कविता प्रमुख प्रवृत्तियां 2 प्रमुख कवि 2.1 अज्ञेय (व्याख्या एवं समीक्षा) नदी के द्वीप, यह दीप अकेला 2.2 गजानन माधव मुक्तिबोध (व्याख्या एवं समीक्षा) मैं तुम लोगों से दूर हूं, भूल गलती 2.3 नागार्जुन (व्याख्या एवं समीक्षा) अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है 2.3 धूमिल (व्याख्या एवं समीक्षा) रोटी और संसद, बीस साल बाद **2.4 इंद्र बहादुर खरे(व्याख्या एवं समीक्षा)** **मृत्यु पथ का राही (सुरबाला)** 3 अभ्यास 3.1 काव्य पाठ (सस्वर) 3.2 सुलेखन 3.3 शुद्धवाचन	20

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रंथ/ अन्य पाठ संसाधन/ पाठ सामग्री:

पाठ पुस्तकें -

1 सं. बड़थ्वाल, पीतांबरदत्त, गोरखबानी, प्रकाशन हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

2 दीक्षित, आनंद प्रकाश, विद्यापति पदावली, साहित्य मंदिर प्रकाशन, ग्वालियर

3 सं. दास, श्यामसुंदर, कबीर ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

4 शुक्ल, आचार्य रामचंद्र, जायसी ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

5 शुक्ल, आचार्य रामचंद्र, भ्रमरगीत सार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6 गोस्वामी, तुलसीदास, श्री रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर
7 रत्नाकर, जगन्नाथदास, बिहारी रत्नाकर, रत्नाकर पब्लिकेशन, वाराणसी
8 मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद, भूषण ग्रंथावली, साहित्य सेवक कार्यालय, काशी
9 शर्मा, हेमंत, भारतेंदु समग्र, हिंदी प्रचारक संस्था, वाराणसी
10 शाही, सदानंद, अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध रत्नावली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11 प्रसाद, जयशंकर, कामायनी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12 शर्मा, रामविलास, राग विराग, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13 वर्मा, महादेवी, परिक्रमा, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
14 पालीवाल, कृष्ण, अज्ञेय रचनावली, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली
15 मुक्तिबोध, गजानन माधव, चांद का मुंह टेढ़ा है, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16 सिंह, नामवर, प्रतिनिधि कविताएं नागार्जुन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
17 सं. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो, काशी विश्वविद्यालय, बनारस प्रथम संस्करण 1952 ई.

संदर्भ ग्रंथ

1 डॉ नगेंद्र, (संपादक), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 1976
2 शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2019
3 तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 1992
4 चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2019
5 सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2011
6 द्विवेदी, हजारीप्रसाद, हिंदी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1961 तृतीय संस्करण
7 भटनागर, रामरतन, प्राचीन हिंदी काव्य, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग 1952

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक- 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40

विश्वविद्यालयीन परीक्षा- 60

आंतरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन	क्लास टेस्ट असाइनमेंट प्रस्तुतीकरण	24 08 08 कुल अंक - 40
आकलन विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय- 3 घंटे	अनुभाग(अ) : पाँच अति लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग(ब) : पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द) अनुभाग(स) : तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×1=05 5×4=20 5×7=35 कुल अंक - 60